control. However, the Government is seized of the issue of high trade margins in the case of intravenous fluids in context of bringing some of the commonly used intravenous fluids under price control.

Production and Import of Ammonia

1116. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether the number of Ammonia Plants in India are not sufficient, keeping in view the demand thereof in the country;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether huge amount is being spent for the import of Ammonia; and

(d) if so, the steps taken by Govern ment for the increased production of Ammonia in the country?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) to (c) Ammonia is an intermediate in the process of manufacture of nitrogenous fertilizers. Carbondioxide which is required for the production of urea, is a by-product of the ammonia plant. All urea plants are constructed with dedicated ammonia facilities. Any surplus ammonia from such plants may be used for manufacture of NP/NPK fertilizers and various chemicals.

The ammonia production capacity in India is about 118 lakh tonnes per annum. The production of ammonia during 1996-97 was used 102 lakh tonnes, of which about 94 lakh tonnes was used for manufacture of urea. About 8 lakh tonnes of indigenous ammonia was used for manufacture of DAP, NP/NPK fertilizers and Caprolactam. The imports of ammonia during 1996-97 were of the order of 8.45 lakh tonnes valued approximately at Rs. 640 crore.

(d) No license is normally required for setting up of an ammonia plant and any entrepreneur can set up an ammonia plant subject to the locational policy.

Two of the fertilizer conpanies, *viz.* Fertilisers and Chemicals Travancore Limited (FACT) and Gujaat State Fertilizers Company Limited (GIFC) have taken Ap projects for productiicn of 900 TPD and 1350 TPD of ammoiia respectively to substitute the imports otammonia and replace obsolete captive ca acities.

यूरिया और डी.ए.पी. के उत्पाद में कमी

1117. **श्री गोपालसिंह जी. सेमकी**: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में पिछले छः महीनों के दौरान यूरिया, डी.ए.पी. के उत्पादन में निरन्तर गिरावाट आई है,

(ख) यदि हां, तो इस गिरावट का प्रतिशत कितना है और इसके लिए कौन से कारक जिम्मेदार है,

(ग) आगामी महीनों के दौरान उर्वरकों के उत्पन में कितने प्रतिशत गिरावट आने की संभावना है,

(घ) डी.ए.पी. और यूरिया की कमी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है, और

(ङ) क्या सरकार इन उर्वरकों की आयात करने विचार रखती है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री एम. अरुणाचल): (क) से (ग) 1997-98 प्रथम छः माही में यूरिया और डी.ए.पी. के उत्पान में 1996-97 की समकालीना अवधि के दौरान उत्पादन की तुलना में क्रमशः 22.6% और 69.1% की बढ़ौतरी हुई है। 1997-98 की दूसरी छः माही में कर्वारक् के उत्पादन में भी गत वर्षी की समकालीन अवधि की तुलना में पर्याप्त वृद्धि होने का संभावना है।

से (ङ) यूरिया की खदेसी अपलब्धता और मांग के सोच के अन्तर को जो मूल्य संचलन तथा वितरण नियंत्रण के अधीन है, सरकारी खाध में आयातों के माध्यम से पूरा किया जाता है। अप्रैल, अक्तुबर, 1997 की अवधि के दौरान , देश में यूरिया की पर्याप्त अपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 18.5 लाख टन यूरिया का आयात किया गया था। खरीफ, 1997 अथवा चालू रबी मौसम के दौरान यूरिया की कमी के बारे में कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।